पत्रकारिता जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

और

एम.ए. में पत्रकारिता और जनसंचार

(पी.जी.जे.एम.सी. / एम.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष)

असाइनमेंट

जनवरी 2025 और जुलाई 2025 चक्र

एमजेएम-020/120

एमजेएम-021

एमजेएम-022

एमजेएम-023

एमजेएम-024/124

एमजेएम-025

पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

पी.जी.जे.एम.सी./एम.ए.जे.एम.सी. असाइनमेंट

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको सभी पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक में एक असाइनमेंट जमा करना होगा। असाइनमेंट बनाने से पहले, कृपया प्रोग्राम गाइड में दिए गए विस्तृत निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

प्रत्येक असाइनमेंट के सामने जमा करने की **अंतिम तिथि** दी गई है। कृपया ध्यान दें कि आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को ये उरोक्त सभी असाइनमेंट जमा करने होंगे।

आपको असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर अपना **नामांकन नंबर, नाम, पता, असाइनमेंट कोड और अध्ययन केंद्र कोड** का उल्लेख करना होगा। आपको जमा किए गए असाइनमेंट के लिए अध्ययन केंद्र से **रसीद प्राप्त** करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। असाइनमेंट की एक फोटोकॉपी प्रमाण के तौर पर अपने पास रखना अनिवार्य होगा।

मूल्यांकन के बाद, असाइनमेंट आपको अध्ययन केंद्र द्वारा वापस करने का प्रावधान हैं। कृपया इस पर जोर दें और अपने पास रिकॉर्ड रखें। आपके द्वारा प्राप्त किए गए अंक केंद्र द्वारा इग्नू, नई दिल्ली में एस.ई.डी. (SED) को भेजे जाएंगे।

असाइनमेंट करने के लिए दिशा-निर्देश

प्रत्येक असाइनमेंट में दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल करें। असाइनमेंट बनाते समय आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा:

योजना: सबसे पहले अध्ययन सामग्री को ध्यान से पढ़ें। कार्यक्रम के लिए आयोजित टेलीकांफ्रेंसिंग सत्र और इंटरैक्टिव रेडियो परामर्श सत्रों में भाग लें। यदि आवश्यक हो तो आप अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र से विवरण भी प्राप्त कर सकते हैं और फिर असाइनमेंट को ध्यान से पढ़ें। जिन इकाइयों पर वे आधारित हैं, उन्हें देखें। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

संगठन: अपने उत्तर की एक रूपरेखा बनाएँ। अपने उत्तर के लिए जानकारी के चयन में विश्लेषणात्मक रहें। परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि असाइनमेंट के:

- तार्किक और सुसंगत हो;
- वाक्यों और पैराग्राफ में जानकारी का उचित प्रवाह हो; और
- आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त विचार करते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

प्रस्तुति: एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाते हैं, तो आप प्रत्येक उत्तर को साफ-सुथरा लिखते हुए, जमा करने के लिए अंतिम संस्करण लिख सकते हैं।

शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. शिखा राय

कार्यक्रम समन्वयक,

पी.जी.जे.एम.सी. एवं एम.ए.जे.एम.सी.-I

shikharai@ignou.ac.in

एमजेएम 025: मीडिया नैतिकता और कानून

असाइनमेंट 06

(अंतिम तिथि: कृपया अंतिम तिथि पर नवीनतम अपडेट के लिए वेबसाइट देखें)

असाइनमेंट कोड: एमजेएम-025/ जनवरी 2025/ जुलाई 2025 चक्र

अधिकतम अंक: 100

वेटेज: 30%

नोट: *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं = प्रत्येक 20*

(ii) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

---

1. हाल ही में प्रसारित एक राजनीतिक विज्ञापन चुनें, जिसने नैतिक चिंताओं के बारे में बहस छेड़ दी हो। सत्यता, निष्पक्षता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे नैतिक ढाँचों का उपयोग करके विज्ञापन का विश्लेषण करें। जनमत, राजनीतिक प्रवचन और लोकतांत्रिक मूल्यों पर इसके संभावित प्रभाव पर चर्चा करें।

2. भारत में खोजी पत्रकारिता में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 की भूमिका का पता लगाएँ। ऐसा मामला चुनें जहाँ आरटीआई खुलासे से महत्वपूर्ण सार्वजनिक खुलासे हुए हों। सत्ता को जवाबदेह ठहराने में आरटीआई की प्रभावशीलता और सूचना तक पहुँचने में पत्रकारों और कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों का आकलन करें।

3. हाल ही में हुए एक मामले की जाँच करें जहाँ एक मीडिया संगठन को भ्रामक या गलत जानकारी प्रकाशित करने के लिए प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। विश्लेषण करें कि संगठन ने कैसे प्रतिक्रिया दी, क्या स्व-नियमन उपाय प्रभावी थे, और डिजिटल युग में जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए क्या सबक सीखे जा सकते हैं।

4. कॉपीराइट कानूनों, डिजिटल पाइरेसी और उचित उपयोग के संदर्भ में प्रकाशक की अनुमति के बिना एआई (AI) को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किए जा रहे समाचार लेखों के मामले का विश्लेषण करें। रचनाकारों और उपभोक्ताओं दोनों की सुरक्षा के लिए संभावित कानूनी सुधारों या उद्योग अनुकूलन पर चर्चा करें।

5. टीवी, समाचार पत्रों या सोशल मीडिया पर तीन विज्ञापनों की निगरानी करें जो भ्रामक, अतिरंजित या भ्रामक लगते हैं। उनकी तुलना विज्ञापन नैतिकता और ASCI दिशानिर्देशों से करें। एक रिपोर्ट लिखें जिसमें विश्लेषण किया गया हो कि ये विज्ञापन नैतिक सिद्धांतों का उल्लंघन कैसे करते हैं और सुझाव दें कि उन्हें और अधिक सत्य कैसे बनाया जा सकता है।